अब इलेक्ट्रिक कार से चलेंगे सीएम

सीएम के कारकेड में महिंद्रा की ईव्ही एसयूवी शामिल

- सीएम हाउस से स्टेट हैंगर तक ईवी में ही गए सीएम

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 3 जून. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कारकेड में बुधवार से ईव्ही वाहन शामिल हो गया है. सीएम राजधानी से दिल्ली रवाना हुए. दिल्ली जाने के लिए उन्होंने सीएम हाउस से स्टेट हैंगर तक ईव्ही वाहन की सवारी की.

ये पहली बार है कि प्रदेश का कोई सीएम ईव्ही वाहनों का उपयोग करेंगे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने कारकेड के वाहनों की संख्या को घटाकर पहले ही लगभग आधा कर चुके हैं. पहले वे 13 वाहनों के काफिले में चलते थे, लेकिन अब महज 7 वाहनों का काफिला ही कारकेड में शामिल किया गया है, जिसमें ये ईव्ही भी शामिल है. महेन्द्रा कंपनी की सफेद रंग की एक्सईव्ही 9ई एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी है, इसकी रेंज 500 किमी से अधिक है. इस ईव्ही का नंबर भी बेहद दिलचस्प

है. इसे एमपी02 वीबी-2047 नंबर मिला है. दरअसल केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने का संकल्प रखा है, विकसित भारत 2047 को ध्यान में रखते हुए ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम तैयार हो रहे हैं, वहीं आर्थिक विकास को रफ्तार भी इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेज किया जा रहा है. बताया जा रहा है कि इसी विजन से प्रेरित होकर यह नंबर लिया गया है.

सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के बाद किया शामिल

इसी ईव्ही को सीएम के कारकेड में शामिल करने से पहले मुख्यमंत्री सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों पर खरा उतरने, फीचर्स की विधिवत् जांच एवं अन्य जरूरी प्रक्रियाओं का बारिकी से परीक्षण करने के बाद शामिल किया गया है, जिससे ये सुरक्षा के मानकों पर खरा उतरे और इससे यात्रा सीएम के लिए सुरक्षित रहे.

ईवी का उपयोग हम सभी के लिए हितकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को ईंधन की अधिकतम बचत करने और मितव्यतापूर्ण यात्रा के साधन अपनाने का संदेश दिया है. इससे देश एवं प्रदेश में ईंधन की बचत को बढ़ावा मिलेगा. मुख्यमंत्री कहा कि हम सभी का यह दायित्व है कि ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सार्थक प्रयास करें. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है. ये ईवी न केवल ईंधन की बचत करते हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अत्यंत लाभकारी साबित होते हैं.

मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य समय-सीमा में पूरा करें

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने समीक्षा के दौरान कहा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 3 जून. मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य समय-सीमा में पूरा करें. सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने यह बात पंचायत एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा के दौरान कही.

सिंह ने जिलेवार लंबित दावे-आपत्तियों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य में पूरी पारदर्शिता रहनी चाहिए.

सिंह ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में जो भी कार्यवाही करें, उसकी जानकारी स्टेरिंग कमेटी की बैठक के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में जरूर लायें. उन्होंने वर्किंग और नानवर्किंग ईव्हीएम की जानकारी देने के निर्देश भी दिये.

उन्होंने कहा कि अंतिम मतदाता सूची को नियत समय पर जिले की वेबसाइट पर अपलोड करें. बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई. सचिव राज्य निर्वाचन आयोग शहडोल से वीसी में शामिल हुए.

आकार ले रहा 8 हजार करोड़ का औद्योगिक भविष्य

- महाकाल की नगरी में उद्योगों का महाकुंभ
- 67 उद्योगों के बाद अब दूसरे चरण की तैयारी

नवभारत न्यूज

उज्जैन. धार्मिक पर्यटन और आस्था की पहचान रखने वाला उज्जैन अब औद्योगिक मानचित्र पर भी तेजी से उभर रहा है. महाकाल लोक, सिंहस्थ-2028 और बड़े आधारभूत विकास कार्यों के बीच विक्रम उद्योगपुरी ऐसा प्रोजेक्ट बनकर सामने आया है, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के आर्थिक भविष्य की धुरी के रूप में देख रहे हैं. अब केंद्र सरकार की मल्टी प्रोडक्ट सुपर इंडस्ट्रियल पार्क योजना में भी विक्रम उद्योगपुरी का नाम प्रमुखता से आगे बढ़ाया गया है.

विक्रम उद्योगपुरी केवल एक औद्योगिक क्षेत्र नहीं, बल्कि उज्जैन को रोजगार, निवेश और निर्यात का नया केंद्र बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है. वर्तमान में पहले चरण में दर्जनों उद्योगों को भूमि आवंटित की जा चुकी है और कई इकाइयों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है. उपलब्ध औद्योगिक भूखंड लगभग भर चुके हैं, जिसके चलते दूसरे चरण का विस्तार तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है.

67 उद्योगों को दी जमीन- एमपीआईडीसी के अनुसार पहले

चरण में 67 उद्योगों को भूमि आवंटित की गई है, जिनमें 20 के करीब इकाइयां उत्पादन शुरू कर चुकी हैं. इन उद्योगों में खाद्य प्रसंस्करण, फार्मा, इंजीनियरिंग, मेडिकल डिवाइस, पाइप निर्माण और ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं. कुल निवेश 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुका है. दूसरे चरण में 400 हेक्टेयर- उद्योगों की बढ़ती मांग को देखते हुए विक्रम उद्योगपुरी का दूसरा चरण विकसित किया जा रहा है. एमपीआईडीसी ने 400 हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त भूमि अधिग्रहित कर विस्तार की प्रक्रिया शुरू कर दी है. अधिकारियों का दावा है कि वर्तमान में लगभग 35 नई कंपनियां 800 एकड़ भूमि की मांग कर रही हैं और इनके माध्यम से 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं.

580 करोड़ का होगा निवेश

ऑटोमोबाइल सेक्टर में सबसे बड़ा आकर्षण वोल्वो-आइशर समूह का निवेश माना जा रहा है. कंपनी ने विक्रम उद्योगपुरी फेज-2 में लगभग 580 करोड़ रुपये के निवेश से बस, ट्रक और ऑटोमोबाइल कंपोनेंट निर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा की है. इससे स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है.

निदेशक से चर्चा

एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौर ने नवभारत से कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुसार विक्रम उद्योगपुरी अब मध्य भारत के सबसे आकर्षक औद्योगिक गंतव्यों में शामिल हो चुका है. पहले चरण के लगभग सभी भूखंड आवंटित हो चुके हैं और लगातार नए निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं. इसी कारण फेज-2 विकसित किया जा रहा है ताकि बड़ी कंपनियों को बेहतर आधारभूत सुविधाओं के साथ भूमि उपलब्ध कराई जा सके.

विदेशी कंपनियां भी आईं

विक्रम उद्योगपुरी में जिन प्रमुख कंपनियों ने रुचि दिखाई है या निवेश प्रस्ताव दिए हैं, उनमें पेप्सिको, अमूल, आशीर्वाद पाइप्स, कर्नाटक एंटीबायोटिक्स, श्रीनिवास फार्मा, यशोदा लिनेन और अन्य राष्ट्रीय स्तर की कंपनियां शामिल हैं. हाल के वर्षों में अमेरिकी और यूरोपीय तकनीक से जुड़े उद्योगों ने भी मेडिकल डिवाइस और ऑटोमोबाइल सेक्टर में रुचि दिखाई है.

डीजीपी मकवाणा ने घोषित किए प्रतिष्ठित पुरस्कार

उत्कृष्ट पुलिसकर्मियों का होगा सम्मान

विशेष संवाददाता

भोपाल, 3 जून. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के लिए मध्यप्रदेश पुलिस के प्रतिष्ठित के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कारों की घोषणा कर दी है.

इन पुरस्कारों के माध्यम से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस, नेतृत्व क्षमता, कर्तव्यनिष्ठा और पेशेवर उत्कृष्टता को सम्मानित किया जाएगा. मध्यप्रदेश पुलिस का यह पुरस्कार बल के सर्वोच्च सम्मानों में से एक माना जाता है. इसे उन अधिकारियों

एवं कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियानों, सांप्रदायिक तनाव की स्थितियों तथा गंभीर कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों का सामना करते हुए उल्लेखनीय साहस और नेतृत्व का परिचय दिया है. पुरस्कार तीन श्रेणियों परम विशिष्ट, अति विशिष्ट और विशिष्ट में प्रदान किए जाते हैं. इसका उद्देश्य उत्कृष्ट सेवाओं को पहचान देना तथा पुलिस संगठन में समर्पण, साहस और श्रेष्ठ कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना है. इसके अतिरिक्त अति विशिष्ट श्रेणी में छह अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विशिष्ट श्रेणी में 35 पुलिसकर्मियों को पुलिसिंग, खुफिया सूचना संकलन, साइबर जांच, आतंकवाद निरोधक अभियानों और नक्सल विरोधी गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा.

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई...

पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए पुलिस महानिदेशक मकवाणा ने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश पुलिस की पेशेवर दक्षता, जनसेवा के प्रति समर्पण और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का प्रतीक है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मानित अधिकारी और कर्मचारी भविष्य में भी अपनी सेवाओं से पुलिस बल की प्रतिष्ठा को और ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे.

वर्ष 2022-23 के लिए अति विशिष्ट श्रेणी में सहायक पुलिस आयुक्त निधि सक्सेना तथा उप निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला को सम्मानित किया गया है. वहीं विशिष्ट श्रेणी में विशेष अभियान, अपराध अनुसंधान, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा तथा नक्सल विरोधी इकाइयों सहित विभिन्न शाखाओं के 24 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चयनित किया गया है. वर्ष 2023-24 के लिए परम विशिष्ट श्रेणी का सम्मान पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, उप पुलिस अधीक्षक नागेंद्र सिंह सिकरवार, निरीक्षक कंचन ठाकुर तथा एटीएस के राजेश कुमार और कमलेश सिंह को प्रदान किया गया है.

इलाज में लापरवाही, दो साल की बच्ची की मौत के बाद शव कब्र से निकाला

नवभारत न्यूज़

इंदौर. भंवरकुआं क्षेत्र में दो साल की मासूम काशवी की संदिग्ध मौत के मामले में इलाज में लापरवाही के आरोप लगे हैं. परिजनों के हंगामे के बाद मौत के 5 दिन बाद शव को कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम कराया.

भंवरकुआं थाना क्षेत्र में दो वर्षीय मासूम काशवी की मौत ने इलाज व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. परिजनों ने 'द हेल्थ केयर क्लीनिक' के डॉक्टर पर गलत उपचार और लापरवाही का आरोप लगाया है. जानकारी के मुताबिक, 27 मई को काशवी को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई थी. परिजन उसे इलाज के लिए पास के क्लीनिक लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने बच्ची को भर्ती कर ड्रिप चढ़ाई. आरोप है कि ड्रिप लगने के कुछ देर बाद ही बच्ची की हालत बिगड़ने लगी. परिजनों का कहना है कि हालत गंभीर होने के बावजूद डॉक्टर ने किसी बड़े अस्पताल रेफर करने के बजाय बच्ची को घर ले जाने की सलाह दे दी. घर पहुंचने के कुछ ही समय बाद बच्ची की मौत हो गई. घटना के बाद परिजनों ने बच्ची का अंतिम संस्कार कर दिया, लेकिन उन्हें लगातार संदेह बना रहा कि गलत इंजेक्शन या इलाज के कारण ही मौत हुई है. इसके बाद परिजनों ने पुलिस और प्रशासन से शिकायत की. एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन की अनुमति पर मौत के 5 दिन बाद तहसीलदार और पुलिस की मौजूदगी में बच्ची का शव कब्र से बाहर निकाला गया. भंवरकुआं पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

जल संरक्षण को आंदोलन बना रही सरकार

वर्षाकाल के पूर्व जल संरचनाओं के आवश्यक-सुरक्षात्मक कार्य पूरे करें

- मंत्री सिलावट ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

भोपाल, 3 जून. जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में 'जल गंगा संवर्धन' तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान गांव-गांव और नगर-नगर में चलाए जा रहे हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं. वल्लभ भवन में विभागीय परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री

सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षाकाल से पहले सभी बांधों, नहरों, तालाबों और अन्य जल संरचनाओं की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य हर हाल में पूरे किए जाएं.

उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी. बैठक में विभिन्न कछारों की सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई. मंत्री ने आगामी 15 दिनों में सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए.

मंत्री सिलावट ने कहा कि जल स्तर की सतत मॉनिटरिंग की जाए और गेट खोलने या जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशासन, पुलिस और आम नागरिकों को समय पर सूचना दी जाए. पिछले वर्षों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने के भी निर्देश दिए गए. उन्होंने नाव, गोताखोर, लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया.

नौतपा में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का असर

गर्मी से मिली राहत, तापमान 40 डिग्री से नीचे

इंदौर, 3 जून. इस बार नौतपा ने अपने पारंपरिक स्वरूप से बिल्कुल अलग मौसम दिखाया. भीषण गर्मी और लू के लिए पहचाने जाने वाले नौ दिन इस बार बारिश, आंधी और ओलावृष्टि के नाम रहे.

मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में लगातार प्री-मानसून गतिविधियों के चलते तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा और लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली. मौसम विभाग के अनुसार, नौतपा के दौरान प्रदेश के किसी न किसी हिस्से में लगातार बारिश और तेज हवाओं का दौर बना रहा. कई जिलों में ओलावृष्टि भी दर्ज

की गई, जिससे तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई. सामान्यत: इन दिनों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है, लेकिन इस बार अधिकांश शहरों में पारा 40 डिग्री से नीचे ही बना रहा.

प्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में अधिकतम तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया.

इंदौर में सामान्य रहा मौसम

इंदौर का मौसम सामान्य रहा. दो दिन से चल रही आंधी से आज राहत मिली. साथ तापमान भी सामान्य से दो डिग्री कम 38.2 दर्ज हुआ. रात का तापमान भी 7 डिग्री गिर गया और 18.7 डिग्री दर्ज हुआ. दो दिन के आंधी तूफान से गर्मी से राहत मिली थी, लेकिन आज उमस ने गर्मी से मिली राहत को खत्म कर दिया. शाम छह बजे तापमान 37.8 डिग्री दर्ज हुआ जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा रहा. मौसम विभाग के अनुसार सूरज के तेवर अभी सामान्य बने रहने की संभावना है.

पुलिस ने 30 लाख के मोबाइल बरामद किए

शिवपुरी. जिले की साइबर सेल ने गुम और चोरी हुए 120 मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को वापस सौंप दिए. बरामद मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये आंकी गई है. पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि साइबर सेल ने तकनीकी विश्लेषण और ट्रैकिंग के माध्यम से मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब तथा महाराष्ट्र से मोबाइल फोन बरामद किए हैं. उन्होंने बताया कि बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी हो गए थे. साइबर सेल की कार्रवाई के बाद इनकी पहचान कर संबंधित लोगों को वापस सौंप दिया गया. पुलिस अधिकारियों ने कहा कि साइबर अपराधों और गुम मोबाइल की शिकायतों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है तथा भविष्य में भी ऐसी मुहिम जारी रहेगी.

समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही सरकार

भोपाल, 03 जून. मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मुद्दे पर कहा है कि केंद्र और राज्य सरकार इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं तथा इसे लागू करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं की जा रही हैं.

शर्मा ने आज यहां कहा कि अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार देशभर में यूसीसी लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि इसी क्रम में मध्यप्रदेश सरकार ने भी यूसीसी के संबंध में समिति का गठन किया है. उन्होंने जनसंख्या और सामाजिक मुद्दों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा तथा कहा कि उसे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा परिवार नियोजन के संबंध में दिए गए संदेश का पालन

करना चाहिए. विधायक शर्मा ने यह भी दावा किया कि देश के कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या संरचना में परिवर्तन हुआ है और धार्मिक तनाव की घटनाएं बढ़ी हैं. उन्होंने कहा कि यूसीसी के पक्ष में देश का व्यापक समर्थन है तथा केंद्र और राज्य सरकार इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

तीन मोटरसाइकिलों की टक्कर में दो की मौत

सिवनी. जिले के धनौरा थाना क्षेत्र में तीन मोटरसाइकिलों की टक्कर में दो लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए. पुलिस सूत्रों के अनुसार कहानी-धनौरा मार्ग पर थांवरी गांव के समीप दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे तीन मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दो लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई. धनौरा थाना प्रभारी मनीष बंसोड़ ने बताया कि मृतकों की पहचान सुमान सिंह उइके निवासी ग्वारी धनौरा और गौतम उइके निवासी मठदेवरी, थाना लखनादौन के रूप में हुई है. दुर्घटना में घायल छह लोगों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनौरा पहुंचाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद तीन गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया है. घायलों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं.

आरोप सरकारें किसानों की वास्तविक परेशानियों को दूर करने के बजाय केवल प्रचार आधारित अभियानों में व्यस्त

किसानों की अनदेखी पर कुणाल चौधरी का हमला

विशेष संवाददाता

भोपाल, 3 जून. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने बुधवार को किसानों की समस्याओं को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें किसानों की वास्तविक परेशानियों को दूर करने के बजाय केवल प्रचार आधारित अभियानों में व्यस्त हैं.

भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में कुणाल चौधरी ने निमाड़ क्षेत्र में हाल ही में आए आंधी-तूफान से हुई तबाही के वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत किए. उन्होंने बताया

कि बुरहानपुर, खंडवा और खरगोन जिलों के कई गांवों में केले की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं. शाहपुरा, खापा, धमनगांव, लोनी, बहादुरगढ़, बोलाना और दरियापुर सहित अनेक गांवों में तेज हवाओं के कारण केले के बागान धराशायी हो गए, जिससे किसानों को 150 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है.

उन्होंने रायसेन में शुरू किए गए 'खेत बचाओ अभियान' की आलोचना करते हुए कहा कि मिट्टी पूजन और प्रतीकात्मक कार्यक्रम किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते. किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, सस्ती खाद, पर्याप्त बिजली, सिंचाई सुविधाएं और बढ़ते कर्ज से राहत की आवश्यकता है. उन्होंने राज्य सरकार की ऑनलाइन खाद वितरण और ई-टोकन व्यवस्था को भी किसान विरोधी बताते हुए कहा कि इससे किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा कई बार उन्हें खाद प्राप्त करने के लिए फसल संबंधी जानकारी बदलनी पड़ती है, जिससे बीमा और अन्य योजनाओं की पात्रता प्रभावित हो सकती है. कांग्रेस नेता ने फसल क्षति के सर्वेक्षण और मुआवजा व्यवस्था को भी अपर्याप्त बताते हुए आरोप लगाया कि केले की फसल को हुए वास्तविक नुकसान का आकलन नहीं किया जा रहा है.

कुणाल चौधरी ने प्रदेश में केले की फसल के लिए मौसम आधारित फसल बीमा योजना नहीं होने पर भी सवाल उठाए. उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय कृषि मंत्री के संसद में दिए गए उत्तर से स्पष्ट है कि वर्तमान और पूर्ववर्ती राज्य सरकारों ने किसानों को इस बीमा का लाभ दिलाने के लिए कोई पहल नहीं की.

100% जल विलेय उर्वरक के उत्पादन, भंडारण और बिक्री के संबन्ध में सूचना

कृषि सहकारिता और किसान कल्याण हेतु भारत सरकार द्वारा जारी किए गये आदेश क्रमांश 2900 (E) दिनांक 24 अक्टूबर 2015 के सन्दर्भ में कृषि निदेशक, मध्य प्रदेश को अवगत कराना चाहेंगे कि दयाल फर्टिलाइज़र्स मेरठ द्वारा 100% जल विलेय मिश्रित उर्वरक की निम्नलिखित रेंज प्रस्तुत की जाएगी जिसका विवरण निम्नलिखित रूप में कर रहें हैं।

क्रम सं.	विवरण	NPK; S 15:25:20,4	NPK, Ca, B 05:38:18, 2, 0.2	NPK, S, B 08:06:35, 7, 0.2	NPK, B 14:15:30, 0.2	NPK, B 15:30:20, 0.2	NPK, Ca, S, B 11:32:14, 3, 2, 0.3	NPK, S, B 09:24:09, 10, 0.3	NPK, Ca, S, B 06:12:30, 3, 7, 0.3	NPK, Ca, S, B 18:16:08, 2, 2, 0.2	NPK, S, B 12:16:24, 3, 0.3	NPK, Ca, S, B 11:05:32, 2, 5, 0.5	NPK, Ca, S, B 06:20:32, 2, 4, 0.3	NPK, Ca, S, B 07:15:35, 2, 6, 0.3
1.	नमी प्रतिशत (वजन में) अधिकतक	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
2.	कुल नाइट्रोजन प्रतिशत (वजन में) न्यूनतम	15	05	08	14	15	11	8	6	18	12	11	6	7
3.	जल विलेय फॉस्फेट (P_2O_5 के रूप में) प्रतिशत (वजन में) न्यूनतम	25	38	06	15	30	32	24	12	16	16	05	20	15
4.	जल विलेय पोटाश प्रतिशत (वजन में) न्यूनतम	20	18	35	30	20	14	08	30	08	24	32	32	35
5.	कैल्शियम प्रतिशत (Ca के रूप में) (वजन में) न्यूनतम		02				03		03	02		02	02	02
6.	सल्फर प्रतिशत (S के रूप में) (वजन में) न्यूनतम	04		07			02	10	07	02	03	05	04	06
7.	बोरॉन प्रतिशत (B के रूप में) (वजन में) न्यूनतम		0.2	0.2	0.2	0.2	0.3	0.3	0.3	0.2	0.3	0.5	0.3	0.3
8.	क्लोराइड का कुल प्रतिशत (वजन का प्रतिशत) अधिकतम	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5
9.	पानी में अघुलनशील पदार्थ, (वजन का प्रतिशत), अधिकतम	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
10.	सोडियम NaCl के रूप में (वजन का प्रतिशत), अधिकतम	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5

ISO 9001

दयाल फर्टिलाइज़र्स (प्रा0) लिमिटेड

दिल्ली रोड परतापुर, मेरठ-250103, फोन : +91 9792201571

टोल फ्री नं0: 1800 270 1979

e-mail: info@dayalgroup.com ★ Web: www.dayalgroup.com

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60